हिन्दी पखवाड़ा कार्यक्रम - 2015

(दिनांक 31 अगस्त से 14 सितंबर 2015)

केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड

(पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारत सरकार)

आंचलिक कार्यालय, भोपाल

हिन्दी पखवाड़ा कार्यक्रम 2015 : प्रतिवेदन

१४ सितंबर १९४९ को संविधान सभा ने एक मत से यह निर्णय लिया कि हिन्दी ही भारत की राजभाषा होगी। इसी महत्वपूर्ण निर्णय के महत्व को प्रतिपादित करने तथा हिन्दी को हर क्षेत्र में प्रसारित करने के लिये राष्ट्रभाषा प्रचार समिति, वर्धा के अनुरोध पर सन् १९५३ से संपूर्ण भारत में '१४ सितंबर' प्रतिवर्ष हिन्दी-दिवस के रूप में मनाया जाता है।

स्वतन्त्र भारत की राजभाषा के प्रश्न पर काफी विचार-विमर्श के बाद यह निर्णय लिया गया जो भारतीय संविधान के भाग १७ के अध्याय की धारा ३४३(१) में इस प्रकार वर्णित है कि संघ की राज भाषा हिन्दी और लिपि देवनागरी होगी। संघ के राजकीय प्रयोजनों के लिए प्रयोग होने वाले अंकों का रूप अंतर्राष्ट्रीय रूप होगा।

अंग्रेज़ी और चीनी भाषा के बाद पूरे विश्व में दूसरी सबसे बड़ी भाषा हिन्दी है। लेकिन उसे अच्छी तरह से समझने, पढ़ने और लिखने वालों में यह संख्या बहुत ही कम है। इसके साथ ही हिन्दी भाषा पर अंग्रेजी के शब्दों का भी बहुत अधिक प्रभाव हुआ है और कई शब्द प्रचलन से हट गए और अंग्रेज़ी के शब्दों ने उसकी जगह ले ली है। जिससे भविष्य में भाषा की शुद्धता विलुप्त होने की भी संभावना बढ़ गई है।

इस कारण ऐसे लोग जो हिन्दी का ज्ञान रखते हैं या हिन्दी भाषा जानते हैं, उन्हें हिन्दी के प्रति अपने कर्तव्य का बोध करवाने के लिए इस दिन को हिन्दी दिवस के रूप में मनाया जाता है। जिससे वे सभी अपने कर्तव्य का पालन कर हिन्दी भाषा को भविष्य में विलुप्त होने से बचा सकें।

राजभाषा नियमो के संवैधानिक प्रावधानों के अनुपालन तथा इसके विकास व संवर्धन में सदैव प्रतिभागी रहते हुए आंचलिक कार्यालय, भोपाल में भी इस दिवस को मनाने की गौरवशाली परम्परा रही है तथा इसका निर्वहन प्रत्येक वर्ष स्वतःस्फुर्त भावना से किया जाता रहा है।

केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड का भोपाल आंचलिक कार्यालय राजभाषा नियम 1976 के तहत 'क' क्षेत्र में स्थित है तथा इसके कार्यक्षेत्र में स्थित राज्य (मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ व राजस्थान) भी 'क' क्षेत्र मे ही है। अतः यह कार्यालय हिन्दी में अधिकाधिक कार्य करने हेतु प्रतिबद्ध है। यह कार्यालय राजभाषा नियम 1976 की धारा 10(4) के अंतर्गत पर्यावरण एवं वन मंत्रालय, नई दिल्ली द्वारा अधिसूचित भी किया जा चुका है।

कार्यालय द्वारा अनिवार्य रूप से नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति की समस्त छः माही बैठकों में भाग लिया जाता रहा है तथा कार्यालय द्वारा भी प्रत्येक वित्तीय वर्ष मे 4 संगोष्ठियों का आयोजन किया जाता रहा है तथा सभी बैठकों में राजभाषा विभाग के प्रतिनिधि की सहभागिता हेतु उन्हे आमंत्रित किया जाता है।

आंचलिक कार्यालय भोपाल, राजभाषा नियमों का परिपालन वर्ष भर करता हैं तथा विभिन्न अवसरों पर इस संदर्भ में प्रचार-प्रसार भी करता है, विगत वर्ष में आंचलिक कार्यालय द्वारा विभिन्न तकनीकी व सामान्य प्रतिवेदनों को हिन्दी में तैयार ही नहीं किया अपितु केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की वेबसाइड (http://cpcb.nic.in/otheruseful_information_bhopal.php) पर भी अपलोड कराया गया है जहाँ से हिन्दी भाषा का वृहद प्रचार-प्रसार हो रहा है । कार्यालय द्वारा हिन्दी में तैयार किए गए प्रमुख प्रतिवेदन निम्नलिखित है:-

- विश्व पर्यावरण दिवस 2015 का प्रतिवेदन
- रन ऑफ वॉटर क्वालिटी भोपाल-एक अध्ययन 2014

- जैव चिकित्सा अपशिष्ट प्रबंधन - संगोष्ठी 2014
- अंतर्राजीय नदी प्रबोधन - प्रतिवेदन 2014
- तनाव प्रबंधन - योग शिविर

इनके अतिरिक्त राजभाषा नियम में उल्लेखित दस्तावेजों को हिन्दी में जारी किया जाता है तथा कार्यालय का अधिकतम पत्राचार हिन्दी में ही किया जा रहा हैं।

वर्तमान में इलेक्ट्रॉनिक मीडिया का भी विचारो के आदान-प्रदान व जन-जागरूकता के क्षेत्र मे प्रभावी योगदान है। इस दृष्टिकोण से कार्यालय द्वारा 'पर्याभाष' नामक ई-पत्रिका का संपादन १४ सितंबर २०१२ से प्रारंभ किया गया है तथा अभी तक इसके 04 अंक प्रकाशित हो चुके है। इस पत्रिका के माध्यम से पर्यावरण के क्षेत्र में कार्यरत व चिंतन करने वाले व्यक्तियों के पर्यावरण विषय पर लिखे लेखों का संकलन किया जाता है। विदेश मंत्रालय द्वारा भोपाल मे दिनांक 10 से 12 सितंबर को 10वें विश्व हिन्दी सम्मेलन का आयोजन किया गया जिसमे कार्यालय को भी आमंत्रित किया गया था इस संदर्भ मे कार्यालय के अनेक सदस्यो द्वारा सम्मेलन मे भाग लिया गया।

राजभाषा अधिनियम व नियमों के प्रावधानों के अनुसार आंचलिक कार्यालय में वर्ष भर ही हिन्दी में कार्य किया जाता है तथा हिन्दी दिवस 2015 के अवसर पर हिन्दी पखवाड़े का आयोजन किया गया, जिसके अंतर्गत दिनांक 31 अगस्त से 14 सितंबर 2015 के मध्य अनेक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया जिसमे सांस्कृतिक संध्या का आयोजन भी किया गया।

कार्यक्रम की औपचारिक शुरुवात आंचलिक अधिकारी के उद्बोधन से हुई जिसमे उन्होने हिन्दी की प्रासंगिकता के बारे में जानकारी प्रदान की तथा भोपाल में

आयोजित होने वाले 10वें विश्व हिन्दी सम्मेलन की चर्चा की तथा बताया की यह आयोजन हिन्दी प्रेमी लोगों के लिए एक कुंभ के तरह है तथा कार्यालय के सभी लोगों को इस अवसर का लाभ उठाना चाहिये। आंचलिक अधिकारी के संक्षिप्त उद्बोधन के पश्चात हिन्दी पखवाड़ा के विभिन्न कार्यक्रम का प्रारंभ हुआ। इस श्रंखला में अनेक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया,जिनका संक्षिप्त विवरण निम्नानुसार है :-

01.**श्रुतिलेख प्रतियोगिता (31.08.2015) :-**

हिन्दी पखवाड़े का शुभारंभ श्रुतिलेख प्रतियोगिता से हुआ इसमे कार्यालय के सभी राजभाषा क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करने वाले अधिकारियों/कर्मचारियों ने भाग लिया। इसमे आंचलिक अधिकारी द्वारा लगभग 200 शब्दों का श्रुतिलेखन कराया गया, जिसके आधार पर सभी प्रतिभागियों ने लेखन में भाग लिया। लेख मे मुख्य रूप से कठिन हिन्दी शब्द, संज्ञात्मक शब्द तथा संधि-विच्छेदन वाले शब्दों का समावेश किया गया था। इस प्रतियोगिता के आयोजन का मूल उद्देश्य कार्यालय के दैनिक क्रिया-कलापों मे लेखन की गुणवत्ता सुधारक था। इस प्रतियोगिता मे कुल 19 प्रतिभागियों ने भाग लिया तथा प्रथम स्थान संयुक्त रूप से श्रीमती फरजाना खान व डॉ. पोलमी.सी.पाटिल, संयुक्त द्वितीय स्थान श्री प्रह्लाद बघेल व श्री राजीव शर्मा, संयुक्त तृतीय स्थान श्री एस.डी.बोकड़े व श्री अनिल कुमार द्वारा प्राप्त किया गया तथा 05 अन्य प्रतिभागियों को विशेष प्रयास हेतु सांत्वना पुरस्कार दिये गये।

02. **यूनिकोड टंकण प्रतियोगिता (दिनांक 01.09.2015) :-**

कार्यालय मे हिन्दी के सामान्य पत्राचार व दैनिक कार्यो में हिन्दी टंकण की आत्मनिर्भरता के उद्देश्य से यूनिकोड सोफ्टवेयर का संस्थापन सभी कम्प्यूटरों में किया गया है तथा इसका प्रयोग अधिकारियों व कर्मचारियों द्वारा निरंतर किया जाने लगा है। यूनिकोड टंकण के प्रोत्साहन हेतु इस प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता की विशेषता यह रही कि इसमें कार्यालय के उन कर्मचारियों ने भी भाग लिया जो समान्यत: कम्प्यूटरों का उपयोग नहीं करते है जैसे कि वाहन चालक, परिचर आदि। इस प्रतियोगिता में 'आत्मविश्वास की विजय' विषय पर लेख यूनिकोड में टंकण हेतु दिया गया था। प्रतियोगिता में सही व शुद्ध टंकण करने वाले प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया गया। इस प्रतियोगिता मे प्रथम स्थान श्रीमती फरजाना खान, द्वितीय स्थान श्री प्रहलाद बघेल, तृतीय स्थान श्री अनिल कुमार तथा तीन अन्य प्रतिभागियों को भी सांत्वना पुरस्कार प्रदान किए गए।

03. **'हिन्दी' प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता (दिनांक 02.09.2015) :-**

आंचलिक कार्यालय में विभिन्न क्षेत्र के व्यक्तियों का प्रतिनिधित्व है तथा इसमें 'ख' व 'ग' क्षेत्र के कर्मचारियों मे राजभाषा के प्रति प्रोत्साहन हेतु विशेष हिन्दी प्रश्नोत्तरी/लेख प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता के तृतीय चरण में लिखित प्रश्नोत्तरी का आयोजन किया गया। इस प्रश्नपत्र में मुख्य रूप से मुहावरों के अर्थ, पर्यायवाची व विलोम शब्दों का प्रयोग, हिन्दी वर्ग पहेली, तथा राजभाषा संबंधी सामान्य प्रश्न पूछे गये। प्रतियोगिता में कार्यालय के 16 आधिकारियों /कर्मचारियों द्वारा उत्साहपूर्वक भाग लिया गया। इस प्रतियोगिता का मुख्य उद्देश्य कार्यालय मे टिप्पण, राजभाषा के नियमों का ज्ञान तथा 'ख' व 'ग' क्षेत्र के कर्मियों को प्रोत्साहन प्रदान करना था। प्रतियोगिता में औसत आधार पर 100 अंकों के प्रश्नपत्र में सभी ने 75 अंक प्राप्त किए जो कि कार्यालय द्वारा राजभाषा विकास हेतु किए जा रहे सतत प्रयासों

का सुखद परिणाम है । प्रतियोगिता हेतु चार दल बनाये गये थे जिसमे प्रशासन,लेखा व प्रयोगशाला के सदस्यो को सम्मिलित किया गया था। प्रतियोगिता मे चार-चार प्रतिभागियों के 04 दल बनाये गए थे जिसमे दल के कनिष्ठ कर्मचारी को दल प्रमुख

प्रोत्साहन कि दृष्टि से बनाया गया था। प्रतियोगिता मे प्रथम स्थान श्री सलामुद्दीन, वाहन चालक के दल, द्वितीय स्थान श्री सुरेन्द्र कुमार भाटिया, परिचर के दल, तृतीय स्थान श्री रामेश्वर बंदेवार, वरि.प्रयोगशाला सहायक के दल तथा चतुर्थ स्थान श्री सुरेश चौहान, वाहन चालक के दल ने प्राप्त किया। गत वर्ष की अपेक्षा इस वर्ष प्रश्न पत्र कठिन बनाया गया था तथापि सभी ने उत्साह के साथ हल किया तथा प्रश्न पत्र समाप्ती के बाद आपस में विचारों का आदान-प्रदान किया गया तथा दिये गये प्रश्नों पर अपने मत-मतांतरों से सभी को अवगत करवाया।

उपरोक्त प्रतियोगिताओं के अतिरिक्त गत वर्ष में सर्वाधिक हिन्दी टिप्पण व आलेखन करने वाले कर्मियों के उत्साहवर्धन हेतु भी पुरस्कार प्रदान किये गये। इसमे प्रथम विजेता श्री राजीव शर्मा, वरि.तकनीशियन द्वितीय श्रीमती फरजाना खान, डी.ई.ओ. तथा तृतीय विजेता श्री अनिल कुमार, लेखा सहायक व सांत्वना पुरस्कार के विजेता श्री शिव शंकर शुक्ला,हिन्दी टंकक रहे।

कार्यालय में राजभाषा के सतत विकास, तकनीकी प्रतिवेदन हिन्दी में बनाने व कार्यालय की विविध गतिविधियों के प्रतिवेदन भी हिन्दी में तैयार करने में सक्रिय योगदान तथा महत्वपूर्ण कार्य करने हेतु डॉ. अनूप चतुर्वेदी को विशिष्ठ राजभाषा कर्मी पुरस्कार प्रदान किया गया।

हिन्दी में ही सर्वाधिक डिक्टेशन देने हेतु आंचलिक अधिकारी श्री आर.एस.कोरी ('क'क्षेत्र) को पुरस्कृत किया गया यद्यपि उन्होने अपनी पुरस्कार राशि श्री प्रहलाद बघेल जो आंचलिक अधिकारी के डिक्टेश्न व टंकण का कार्य करते है को प्रदान किया गया।

04. राजभाषा कार्यान्वयन समिति की द्वितीय बैठक (14.09.2015) :-

हिन्दी दिवस के अवसर पर प्रात: 11.00 बजे राजभाषा कार्यान्वयन समिति के द्वितीय बैठक का आयोजन किया गया। राजभाषा विभाग के अनुसंधान अधिकारी, श्री हरीश सिंह चौहान जी को इस बैठक की अध्यक्षता हेतु निमंत्रित किया गया था परंतु व्यस्तता के कारण वे उपस्थित नहीं हो सके, अत: कार्यशाला की अध्यक्षता मुख्यालय के प्रशासनिक अधिकारी द्वारा की गई। कार्यक्रम के आरंभ मे श्री एस.डी.बोकड़े हिन्दी अधिकारी ने विगत वर्षो में कार्यालय द्वारा राजभाषा के किन-किन क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्य किया है, व राजभाषा सम्बन्धी उपलब्धियों से मुख्य अतिथि व सभी सहयोगियों को अवगत कराया तथा राजभाषा हिन्दी में स्वयं काम करने तथा दूसरो को भी प्रोत्साहित करने हेतु संकल्पित रहने की अपील की। इस अवसर पर उन्होने नगर राजभाषा क्रियान्वयन समिति के अध्यक्ष का हिन्दी दिवस के अवसर पर प्रसारित उद्बोधन को पड़कर सुनाया गया तथा यह जानकारी प्रदान दी की कार्यालय द्वारा हिन्दी में 97% कार्य किया जा रहा है, जो अभी तक का सर्वाधिक स्तर है।

05. सांस्कृतिक कार्यक्रम व पुरस्कार वितरण समारोह (14.09.2014) :-

आंचलिक कार्यालय द्वारा वर्ष 2015 के हिन्दी पखवाड़े में आयोजित किए गये कार्यक्रमों का समापन सांस्कृतिक कार्यक्रम के साथ किया गया। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री शीतल प्रसाद, प्रशासनिक अधिकारी केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, दिल्ली थे। कार्यक्रम का शुभारम्भ मुख्य अतिथि के स्वागत के साथ हुआ जिसके बाद श्री एस.डी.बोकड़े, हिन्दी अधिकारी द्वारा संक्षिप्त उद्बोधन में हिन्दी दिवस की महत्ता व इस आयोजन की सार्थकता पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम का संचालन श्री सुनील कुमार मीणा, वैज्ञानिक 'ग' द्वारा किया गया।

कार्यक्रम के विधिवत शुभारंभ में सर्वप्रथम मुख्य अतिथि द्वारा राजभाषा नियमों के परिपालन के संबंध में संकल्प दिलवाया जिसके प्रमुख बिन्दु निम्नानुसार है:-

- मैं संवैधानिक प्रावधान के अनुच्छेद 343 के तहत घोषित संघ की राजभाषा 'हिन्दी' का सम्मान करूँगा।
- मैं राजभाषा अधिनियम 1963, राजभाषा संकल्प 1968 तथा राजभाषा नियम 1976 के तहत दिये गए निर्देशों का सदैव पालन करूँगा ।

- मैं राजभाषा हिन्दी में प्राप्त सभी पत्रों का जवाब हिन्दी में ही दूँगा तथा 'क' व 'ख' क्षेत्रों से अँग्रेजी में प्राप्त पत्रों का जवाब भी हिन्दी में ही देने का प्रयास करूँगा।
- मैं अपना अधिकतर कार्यालयीन लिखित कामकाज हिन्दी में ही करने का प्रयास करूँगा।

इस अवसर पर श्री शीतल प्रसादजी ने मुख्यालय स्तर पर राजभाषा के उन्नयन के संबंध मे किए जा रहे कार्यो की जानकारी प्रदान की तथा अपनी पुरानी स्मृतियों के आधार पर बताया की किस तरह बडोदरा, कार्यालय मे उनके प्रयास से शत-प्रतिशत राजभाषा का लक्ष्य प्राप्त कर लिया गया था।

कार्यक्रम के शुभारंभ पर आंचलिक अधिकारी द्वारा अपने संक्षिप्त उद्बोधन में शासकीय कार्यालयों में राजभाषा विकास की वर्तमान आवश्यकता पर ज़ोर दिया तथा हिन्दी को सहजता से स्वीकार करने की आवश्यकता बताई।

प्रतियोगिता के अंतिम चरण में भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसका विषय 'प्रदूषण नियंत्रण मे केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की भूमिका' था। इसमे कुल 07 प्रतिभागियों ने भाग लिया। उक्त प्रतियोगिता में प्रथम स्थान श्री सुनील कुमार मीणा, द्वितीय स्थान डॉ.वाय.के.सक्सेना, तृतीय स्थान श्री अनिल कुमार को प्राप्त हुआ तथा तीन अन्य प्रतिभागियों को भी सांतवना पुरस्कार प्रदान किया गया।

कार्यक्रम के अगले चरण में हिन्दी पखवाड़े में पूर्व में आयोजित प्रतियोगिताओं के विजेताओं को नकद पुरस्कार मुख्य अतिथि श्री शीतल प्रसाद, प्रशासनिक अधिकारी व आंचलिक अधिकारी द्वारा प्रदान किए गये तत्पश्चात सांस्कृतिक का आयोजन किया गया।

सांस्कृतिक संध्या में सर्वप्रथम श्री संजय कुमार मुकाती द्वारा राजभाषा विषय पर स्वलिखित कविता 'हिन्दी युग्म' तथा एक अन्य कविता 'लहरों को साहिल की परवाह नही होती' का पठन किया गया। कविताओं के सिलसिले को

आगे बढ़ाते हुए श्री राजीव शर्मा द्वारा 'भाषा' विषय पर कविता पाठ किया जिसे श्रोताओं तथा मंचासीन अतिथियों द्वारा सराहा गया।

कविताओं के दौर को हास्य की तरफ मोड़ते हुए डॉ. अनूप चतुर्वेदी द्वारा 'चापलूसी व कामचोरी' विषय पर हास्य कविता सुनाई। जिसका सभी श्रोतागणों ने आनंद उठाया।

इस श्रंखला को जारी रखते हुए डॉ.योगेंद्र कुमार सक्सेना द्वारा 'पर्यावरण संरक्षण' विषय पर कविता सुनाई गई तथा कुछ शायरियाँ भी सुनाई ।

इसी क्रम को आगे बढाते हुए श्री अनिल कुमार द्वारा पहाड़ी लोकगीत 'सुनहरा रंग तेरी चुन्नी दाँ' की प्रस्तुति दी। इसके बाद कार्यालय के 'ग' क्षेत्र की डॉ. पौलमी.सी.पाटिल द्वारा पुरानी फिल्म का गाना 'तुम अपना रंजो गम अपनी परेशानी मुझे दे दो' प्रस्तुति की गई जिसने ढलती सांझ को सुहावना कर दिया। इन्ही प्रस्तुति के अगले चरण मे श्री सुरेश चौहान द्वारा फिल्म का गाना 'ओ दूर के मुसाफिर' की प्रस्तुति दी।

कार्यक्रम की समापन बेला मे मंच पर मुख्य अतिथि श्री शीतल प्रसादजी को आमंत्रित किया गया, उन्होनें अपने उद्बोधन में कार्यालय के राजभाषा सम्बन्धी प्रयासों की प्रंशंसा की तथा कार्यालय से उनके आत्मीय लगाव के बारे में अपने विचार प्रकट किये । राजभाषा कार्यान्यवन में उन्होने आंचलिक अधिकारी द्वारा राजभाषा विकास हेतु किए उत्कृष्ट प्रयासों की प्रशंसा की तथा राजभाषा कार्यान्यवन की आंचलिक कार्यालय, भोपाल में गतिशीलता को स्वागत योग्य बताया। हिन्दी अधिकारी व सभी सदस्यों के विशेष

अनुरोध पर मुख्य अतिथि द्वारा 'यमराज पर व माली पर कविता' कविता सुनाई, इसके पश्चात गायक गुलाम अली तथा जगजीत सिंह के गजलों से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया।

कार्यक्रम के अंत मे श्री एस.डी.बोकड़े हिन्दी अधिकारी द्वारा कार्यालय में राजभाषा कार्य में प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष सहयोग करने वाले सभी सहकर्मियों के प्रति आभार व्यक्त किया एवं सभी अधिकारियों/ कर्मचारियों को इस आयोजन को सफल बनाने हेतु बधाई दी व मुख्य अतिथि द्वारा उनकी उपस्थिति से समारोह की गरिमा बढ़ाने पर आभार व्यक्त किया गया तथा राजभाषा कार्यो की निरंतरता बनाये रखने के अनुरोध के साथ कार्यक्रम को विराम देने की घोषणा की ।

(डॉ.अनूप चतुर्वेदी)	(एस.डी.बोकड़े)	(आर.एस. कोरी)
वरिष्ठ वैज्ञानिक सहायक	हिन्दी अधिकारी	अपर निदेशक एवं आंचलिक अधिकारी

कार्यक्रम की अन्य झलकियाँ

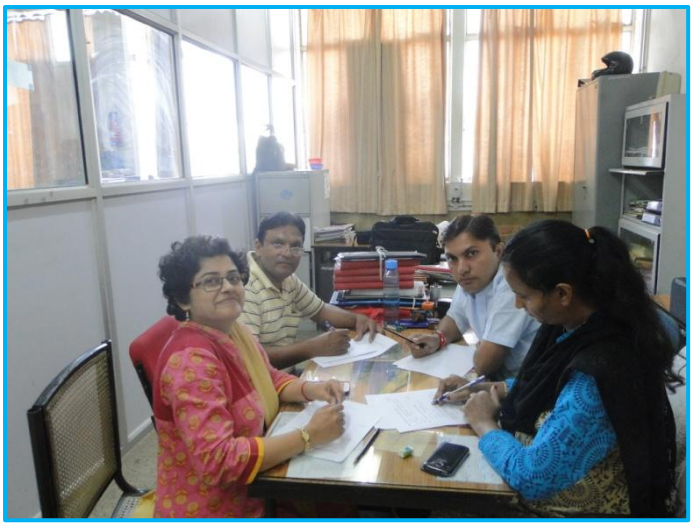

केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड
आँचलिक कार्यालय (मध्य) भोपाल
हिन्दी दिवस समारोह

केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड
हिन्दी दिवस समारोह

केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड